नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. : 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 24.05.2016

प्रकाशनार्थ

विद्यार्थियों की प्रतिभा के विकास में प्रोत्साहन, दण्ड एवं पुरस्कार का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षक का कार्य विद्यार्थियों को समझते हुए उसकी विकास यात्रा में अपने अनुभव पर आधारित समय–समय पर प्रोत्साहन विद्यार्थी की विकास यात्रा को सहज बनाता है। शिक्षा केवल शिक्षक द्वारा यंत्रवत कक्षाध्यापन नहीं है। विद्यार्थी के मनोभावों को समझना आवश्यक है। विद्यार्थियों की आन्तरिक क्षमता के प्रस्फुटन के लिए अभिप्रेरणा एक महत्वपूर्ण घटक है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूषण में बी0एड. विभाग द्वारा आयोजित **योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति साप्ताहिक कार्यशाला** के चौथे दिन वी0आर0डी0 पी0जी0 कालेज के बी0एड0 विभाग के एसो0 प्रोफेसर **डॉ0 के0डी0 तिवारी** ने कही। डॉ0 के0डी0 तिवारी आज **''लर्निंग एण्ड मोटिवेशन''** विषय पर अपना शोध पूर्ण व्याख्यान दे रहे थे।

डॉ0 के0डी0 तिवारी ने कहा कि सीखना और सीखते रहना ही मनुष्य की विशेषता है। सीखने की प्रक्रिया जीवन पर्यन्त चलती है, किन्तु पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा लक्ष्य एवं समयबद्ध होती है। अतः पठन–पाठन में सीखने की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। शिक्षक को एक वास्तविक मनोवैज्ञानिक भी होना चाहिए। मनोविज्ञान को समझने और जानने वाला शिक्षक अपने विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में अधिक प्रभावी भूमिका निभाता है। विद्यार्थी का मनोगत समझे बिना उसे कुछ भी सीखा पाना कठिन है।

आज की कार्यशाला के प्रथम सत्र में प्राणायाम एवं योगाभ्यास के साथ **'योग के महत्व'** पर प्रकाश डालते हुए श्रीमती पूजा पाण्डेय ने कहा कि **'योग'** मन का भी विज्ञान है और तन का भी विज्ञान है। योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है। शिक्षक और शिक्षार्थी का ज्ञान देने अथवा ग्रहण करने के लिए तन और मन का स्वस्थ्य रहना आवश्यक है। आज अनुलोम–प्रतिलोम, भ्रामरी तथा कपालभाति का सभी प्रतिनिधियों ने अभ्यास किया।

कार्यशाला के तीसरे सत्र में पठन–पाठन का अभ्यास कराया गया। **'माडल कक्षा'** के स्वरूप पर परिचर्चा की गयी तथा **'माडल कक्षा'** के संचालन का स्वरूप निर्धारित किया गया। प्राचार्य डॉ प्रदीप राव ने कार्यशाला में आए विषय विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में श्रीमती शिप्रा सिंह, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री भूपेन्द्र गुप्ता, श्री गोविन्द वर्मा, सुश्री अन्जली ने हिस्सा लिया।

(प्रकाश प्रियदर्शी)

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी